अकादमिक परिषद के बैठक की कार्यविवरण

बैठक में सर्वप्रथम अकादमिक परिषद के सभी सम्मानित सदस्यों का स्वागत किया गया, उसके पश्चात की परिषद के सदस्य सचिव डॉ. अजय सिंह ने 27.07.22 को आयोजित पिछली बैठक के कार्यवृत्त का वाचन किया जिसका परिषद् द्वारा अनुमोदन किया गया।

स्वशासी परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनिल कश्यप ने पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों में शासन के निर्देशानुसार निम्नलिखित संशोधन प्रस्तुत किये:

(1) स्नातक प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को दो विषय में ATKT की पात्रता होगी।

(2) स्नातक सेमेस्टर परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिये न्यूनतम 40% प्राप्तांक होना आवश्यक है।

(3) जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स अब स्नातक प्रथम सेमेस्टर से ही अनिवार्य होगा।

(4) प्रथम सेमेस्टर में AEC में हिंदी भाषा तथा द्वितीय सेमेस्टर में AEC में अंग्रेजी भाषा का पठन पाठन होगा।

(5) स्नातक स्तर पर प्रत्येक सेमेस्टर 22 क्रेडिट का होगा।

(6) स्नातक सेमेस्टर परीक्षा में ATKT के संबंध निम्नानुसार पात्रता होगी:

(क) प्रथम सेमेस्टर में 2 विषय में ATKT की पात्रता होगी।

(ख) द्वितीय सेमेस्टर में 2 विषय में ATKT की पात्रता होगी।

(ग) तृतीय सेमेस्टर में 2 विषय में ATKT की पात्रता होगी।

(घ) चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश एवं परीक्षा के लिये विद्यार्थी तब ही पात्र होगा जब उसका प्रथम सेमेस्टर का परिणाम 'उत्तीर्ण' होगा।

(ड) पंचम सेमेस्टर में प्रवेश एवं परीक्षा में बैठने के लिये विद्यार्थी द्वारा द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा।

(च) छठे सेमेस्टर में प्रवेश एवं परीक्षा में बैठने के लिये विद्यार्थी द्वारा तृतीय सेमेस्टर तक की परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। पांचवें सेमेस्टर के बाद एवं छठे सेमेस्टर के पूर्व चतुर्थ एवं पंचम सेमेस्टर के ATKT उत्तीर्ण होने के लिए विशेष ATKT परीक्षा आयोजित की जाएगी। छठे सेमेस्टर में 2 विषय तक ATKT प्राप्त विद्यार्थियों के लिये पूरक परीक्षा की तरह ATKT परीक्षा आयोजित की जावेगी।

(छ) सेमेस्टर परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन का प्रावधान नहीं है सिर्फ दो विषयों में पुर्नगणना का प्रावधान है।

Page No.
Date : / /

(ज) प्रथम सेमेस्टर की ATKT परीक्षा अगली प्रथम सेमेस्टर की मुख्य परीक्षा के साथ होगी, इसी प्रकार क्रमशः द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की ATKT परीक्षा उनकी मुख्य परीक्षा के साथ होगी।

(7) अधिकतम 6 वर्षों में विद्यार्थी को स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी।

(8) स्नातक स्तर पर अब हर सेमेस्टर में प्रवेश फॉर्म भरना अनिवार्य होगा।

(9) जो छात्र दो से अधिक विषयों में अनुतीर्ण होंगे उन्हे उसी सेमेस्टर में पुनः प्रवेश की पात्रता होगी।

(10) यदि प्रवेश लेकर विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म नहीं भरा हो तो उसे भूतपूर्व छात्र का दर्जा प्राप्त होगा।

(11) SEC तथा VAC की परीक्षा के प्रश्नपत्र में 10 प्रश्न होंगे तथा उनमें में कोई 5 प्रश्न हल करना अनिवार्य होगा।

(12) DSC, GEC एवं DEC प्रत्येक विषय 4 क्रेडिट (03 थ्योरी 01 पैक्टिकल) के होंगे तथा VAC एवं SEC 2 क्रेडिट (01 थ्योरी 01 पैक्टिकल) के होंगे।

(13) स्नातक स्तर की प्रथम सेमेस्टर की सैद्धांतिक परीक्षा 5 जनवरी 2023 से प्रस्तावित है।

बैठक के दौरान श्री दिलीप साहू, सहा प्राध्यापक कम्प्यूटर विज्ञान ने डिजीलॉकर योजना के क्रियान्वयन के संबंध में कुछ हुई प्रगति की जानकारी देते हुए सभी विभागाध्यक्षों से विद्यार्थियों को डिजीलॉकर आईडी बनाने के लिये प्रेरित करने अनुरोध किया।

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने सभी विभागाध्यक्षों को विद्यार्थियों को इस बात की जानकारी देने का निर्देश दिया कि इस बात की संभावना है कि उन्हे कोर कोर्स एवं GEC के प्रश्न पत्र की परीक्षा के बीच कोई गैप नहीं मिलेगा।

डॉ. अनुपमा अस्थाना ने सदस्यों को इस बात की जानकारी दी कि आगामी मंगलवार 29.11.22 तक विद्यार्थियों ने जिस GEC एवं SEC का चयन किया है उसकी जानकारी उपलब्ध करा दी जावेगी।

डॉ. जगजीत कौर सलूजा ने जानकारी दी कि NEP 2020 के अनुसार स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को उनके द्वारा चयनित 3 कोर कोर्सेस से संबंधित कम से कम एक स्किल एनहेंसमेंट कोर्स का चयन करना अनिवार्य होगा।

डॉ. विनोद कुमार अहिरवार के प्रश्न के उत्तर में डॉ. अनिल कश्यप ने B. Lib. की परीक्षा में एक मुख्य एवं दो पूरक प्रयासों के प्रावधान की जानकारी दी। उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी कि SEC तथा VAC में आंतरिक

मूल्यांकन के लिये केवल असाइनमेंट परीक्षा का उपयोग किया जाएगा एवं अन्य सभी यानी DSC, DEC एवं GEC में आंतरिक मूल्यांकन टेस्ट तथा असाइनमेंट दोनो पर आधारित होगा (इन दोनों में से जो बेहतर होगा उसके अंक स्वीकार किये जाएँगे।

डॉ अजय सिंह द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स के शुल्क में कमी करने के अनुरोध पर प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने बताया कि कोर्स कोऑर्डिनेटर को इस बात की स्वतंत्रता है कि वे शुल्क में कमी कर सकते हैं। इस कोर्स के संचालन के संबंध में विभिन्न मंदो संबंधी दिशा निर्देश कार्यालय में उपलब्ध है।

स्नातक प्रथम सेमेस्टर की प्रायोगिक परीक्षा 21 दिसंबर, 2022 से एवं स्नातकोत्तर स्तर की प्रायोगिक परीक्षा 10 जनवरी, 2023 से प्रारंभ करने पर सहमति बनी।

स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा 20 जनवरी, 2023 से 10 फरवरी, 2023 तक होगी।

VAC एवं SEC की सैद्धांतिक परीक्षा के प्रश्नपत्र $1\frac{1}{2}$ घंटे के रखने पर सदस्यों द्वारा सहमति व्यक्त की गयी तथा ये दोनो प्रश्नपत्र एक ही दिन में 3 घंटे के समय में परीक्षार्थियों द्वारा हल किये जाऐगे।

प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने निर्देश दिया कि इन कोर्सेस के अतिरिक्त शासन द्वारा पूर्व में स्वीकृत वेल्यू एडेड एवं सर्टिफिकेट कोर्स यथावत जारी रहेंगे।

डॉ. जी. एस. ठाकुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

नियंत्रक
स्वशासी परीक्षा
CONTROLLER
AUTONOMOUS EXAMINATIONS
GOVT. V.Y.T.P.G. AUTO.COLLEGE
DURG (C.G.)

GOVT. V.Y.T.P.G. AUTO. COLLEGE DURG (C.G.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,
दुर्ग (छ.ग.)
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College.Durg.(C.G.)